संख्या-406/2023/1165/22-2-2023-17(328)/2023

प्रेषक,

कृष्ण कुमार सिंह,
उप सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 23 जून, 2023

विषयः- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गुड्डू पुत्र श्री अल्ला बक्श, निवासी जनपद-अलीगढ़ की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षक (मु0) के पत्र संख्या-1864/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-01.12.2022) दिनांक-19.01.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गुड्डू पुत्र श्री अल्ला बक्श, ग्राम मेहदउरा, थाना-इंगलास, जनपद-अलीगढ़ का निवासी है। बन्दी ने दिनांक 14.12.2005 को शौच के लिए गई आसमा के साथ बलात्कार करने के उपरान्त तमंचा से गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया जिसमें वह घायल हो गयी और जीवनभर के लिए अपंग हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-651/2006, में भा0द0वि0 की धारा-307, 376 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-01, अलीगढ़ के आदेश दिनांक 15.10.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, बन्दी द्वारा दिनांक 06.06.2022 तक 16 वर्ष, 04 माह, 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 08 माह 13 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़ द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने का अंकन करते हुए रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा बन्दी ने दिनांक 14.12.2005 को शौच के लिए गई आसमा के साथ बलात्कार करने के उपरान्त तमन्चा से गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया, जिसमें वह घायल हो गयी और जीवनभर के लिये अपंग करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी गुड्डू पुत्र श्री अल्ला बक्श, निवासी जनपद-अलीगढ़ को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

4- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गुड्डू (बन्दी संख्या-16574) पुत्र श्री अल्ला बक्श, निवासी जनपद-अलीगढ़ के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट,1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

संख्या-406/2023/1165(1)/22-2-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को अवमाननावाद (सिविल) डायरी संख्या-12538/2023 दिनेश व अन्य बनाम राजेश कुमार सिंह व अन्य से सम्बन्धित रिट याचिका (क्रि0) नत्थूलाल बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य सहबद्ध अवमाननावाद संख्या-778/2023 अनिल बनाम राजेश कुमार सिंह व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय में पारित आदेश दिनांक 21.04.2023 के सन्दर्भ में।

6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
अजय कुमार तिवारी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-406/2023/1165/22-2-2023-17(328)/2023

दिनांक 23 जून, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी गुड्डू पुत्र श्री अल्ला बक्श, ग्राम मेहदउरा, थाना-इंगलास, जनपद-अलीगढ़ का निवासी है। बन्दी ने दिनांक 14.12.2005 को शौच के लिए गई आसमा के साथ बलात्कार करने के उपरान्त तमंचा से गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया जिसमें वह घायल हो गयी और जीवनभर के लिए अपंग हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-651/2006, में भा0द0वि0 की धारा-307, 376 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-01, अलीगढ़ के आदेश दिनांक 15.10.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, बन्दी द्वारा दिनांक 06.06.2022 तक 16 वर्ष, 04 माह, 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 08 माह 13 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़ द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने का अंकन करते हुए रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा बन्दी ने दिनांक 14.12.2005 को शौच के लिए गई आसमा के साथ बलात्कार करने के उपरान्त तमन्चा से गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया, जिसमें वह घायल हो गयी और जीवनभर के लिये अपंग करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी गुड्डू पुत्र श्री अल्ला बक्श, निवासी जनपद-अलीगढ़ को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in